



**DEPARTMENT OF SANSKRIT**

**GDCR**

**COURSE OUTCOME**

**PROGRAM OUTCOME**

**PROGRAM SPECIFIC OUTCOME**

**2022-23**

## Department of sanskrit

### Programme outcomes :-

#### B.A.(Sanskrit):-

1.विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के काव्यग्रन्थों,व्याकरण ,छंद-अलंकार आदि के बुनियादी स्तर से ग्रन्थों से परिचय

की प्राप्ति ताकि वे भाषा एवं साहित्य दोनों को समझ लेवे।

2.संस्कृतसाहित्य के इतिहास के पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति ताकि विद्यार्थी संस्कृत ग्रंथो से परिचित होवे।

3. भारतीय संस्कृति, भारतीय परंपराओं तथा नैतिक मूल्यों का विकास।

## Department: -SANSKRIT

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: I	Subject: SANSKRIT

### Programme Specific Outcome:

1. व्याकरणशास्त्र का ज्ञान प्राप्त करेगा।
2. संस्कृत भाषा के पठन,लेखन तथा संभाषण में प्रवीणता प्राप्त होगी।
3. व्याकरणशास्त्र के ज्ञान से संस्कृत व्याख्या करने हेतु दक्षता प्राप्त होगी।
4. वर्णमाला, शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा।
5. भारतीय संस्कृति का ज्ञान प्राप्त होगा।
6. प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में निहित ज्ञान का अर्जन कर भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं की वैज्ञानिकता का ज्ञान प्राप्त होगा ।
7. प्राचीन भारतीय संस्कृति में निहित मूल तत्वों की वर्तमान प्रासंगिकता का ज्ञान प्राप्त होगा ।
8. ऋग्वैदिक एवं उत्तरवैदिककालीन संस्कृति का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त होगा ।
9. सांस्कृतिक शोध में रुचि विकसित होगी।
10. संस्कृतसंभाषण में दक्ष एवं निपुण होंगे,जिससे विद्यार्थियों की भाषा के अध्ययन और ज्ञान में अनायास वृद्धि होगी।
11. संस्कृतसंभाषण से भाषा और संस्कृति के प्रति स्वाभिमान उत्पन्न होगा।



GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

**FYUGP (CBCS/LOCF Course)**

Department: -SANSKRIT

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: I	Subject: SANSKRIT
Course Type: DSC	Course Code: .....
Course Title: व्याकरण	
Credit: 4	Lecture: 60
M.M. 100 = (ESE 80+IA 20)	Minimum Passing Marks: 40%

Title	व्याकरण
Course Learning Outcome:	<ul style="list-style-type: none"><li>➤ विद्यार्थी विश्वस्वीकृत सर्वश्रेष्ठ व्याकरणशास्त्र की विशेषताओं से परिचय होगा।</li><li>➤ वर्णमाला की गहन जानकारीपूर्वक शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा।</li><li>➤ शब्दों के आधिकारिक ज्ञान के साथ पठन, लेखन एवं संभाषण में दक्षता प्राप्त होगी।</li><li>➤ व्याकरण का प्रारंभिक अध्ययन करने से विद्यार्थियों का भाषा पर अधिकार स्थापित होता है।</li></ul>



GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

**FYUGP (CBCS/LOCF Course)**

Department: -SANSKRIT

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: I	Subject: SANSKRIT
Course Type: GE	Course Code: .....
Course Title: भारतीय संस्कृति -1	
Credit: 4	Lecture: 60
M.M. 100 = (ESE 80+IA 20)	Minimum Passing Marks: 40%

Title	भारतीय संस्कृति -1
Course Learning Outcome:	<ul style="list-style-type: none"><li>➤ भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों की वैज्ञानिकता का अध्ययन कर भारतीय संस्कृति के प्रति विद्यार्थियों में आस्था का निर्माण होगा।</li><li>➤ भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों की वर्तमान प्रासंगिकता का ज्ञान प्राप्त कर विद्यार्थी सांस्कृतिक तत्वों के चिरकालीन महत्त्व को जान सकेंगे।</li><li>➤ सांस्कृतिक विशेषताओं का आत्मसातिकरण विद्यार्थियों के शुद्ध चरित्र एवं उत्तम व्यक्तित्व का निर्माण करेगा।</li><li>➤ ऋग्वैदिक एवं उत्तरवैदिककालीन संस्कृति का विशिष्ट अध्ययन तत्कालीन सांस्कृतिक एवं सामाजिक परिवेश को जानने में लाभकारी होगा।</li><li>➤ सांस्कृतिक शोध में विद्यार्थियों की रुचि विकसित होगी।</li></ul>



GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)  
**FYUGP (CBCS/LOCF Course)**  
Department: -SANSKRIT

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: I	Subject: SANSKRIT
Course Type: SEC	Course Code: .....
Course Title: संभाषणकौशलम् -1	
Credit: 2	Lecture: 30
M.M. 50 = (ESE 40+IA10)	Minimum Passing Marks: 40%

Title	संभाषणकौशलम् -1
Course Learning Outcome:	<ul style="list-style-type: none"><li>➤ संस्कृतसंभाषण में दक्ष एवं निपुण होंगे, जिससे विद्यार्थियों की भाषा के अध्ययन और ज्ञान में अनायास वृद्धि होगी।</li><li>➤ संस्कृतसंभाषण से भाषा और संस्कृति के प्रति स्वाभिमान उत्पन्न होगा।</li><li>➤ भाषा कौशल का विकास विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा।</li><li>➤ प्रतियोगी परीक्षाओं तथा साक्षात्कार आदि में विद्यार्थियों के कौशल की वृद्धि होगी।</li></ul>

**Department: -SANSKRIT**

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: II	Subject: SANSKRIT

**Programme Specific Outcome:**

1. संस्कृत की लौकिकसाहित्य धारा के क्रमबद्ध विकास से विद्यार्थी अवगत होंगे।
2. संस्कृत गद्य एवं पद्य काव्य में निहित सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों का ज्ञान देकर विद्यार्थियों का चारित्रिक विकास होगा।
3. संस्कृत पद्य एवं गद्य लेखन के गुणों का प्रारम्भिक बीजारोपण होगा।
4. संस्कृत पद्य एवं गद्य काव्य के प्रति विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।
5. विद्यार्थियों को पद्य एवं गद्य के क्षेत्र में शोध हेतु प्रारम्भिक समझ विकसित होगी।
6. भारतीय संस्कृति का ज्ञान प्राप्त होगा।
7. प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में निहित ज्ञान का अर्जन कर भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं की वैज्ञानिकता का ज्ञान प्राप्त होगा।
8. प्राचीन भारतीय संस्कृति में निहित मूल तत्वों की वर्तमान प्रासंगिकता का ज्ञान प्राप्त होगा।
9. रामायण, महाभारत एवं पुराणकालीन संस्कृतियों का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त होगा।
10. सांस्कृतिक शोध में रुचि विकसित होगी।
11. संस्कृतसंभाषण में दक्ष एवं निपुण होंगे, जिससे विद्यार्थियों की भाषा के अध्ययन और ज्ञान में अनायास वृद्धि होगी।
12. संस्कृतसंभाषण से भाषा और संस्कृति के प्रति स्वाभिमान उत्पन्न होगा।



GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)  
**FYUGP (CBCS/LOCF Course)**  
Department: -SANSKRIT

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: 2	Subject: SANSKRIT
Course Type: DSC	Course Code: .....
Course Title: पद्य तथा गद्य काव्य	
Credit: 4	Lecture: 60
M.M. 100 = (ESE 80+IA 20)	Minimum Passing Marks: 40%

Title	पद्य तथा गद्य काव्य
Course Learning Outcome:	<ul style="list-style-type: none"><li>➤ काव्य के पद्य एवं गद्य भेदोपभेदों का सम्यक् ज्ञान होगा ।</li><li>➤ संस्कृत पद्य एवं गद्य काव्य के प्रति विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।</li><li>➤ पाठ्यविषय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से विद्यार्थी सुपरिचित हो सकेंगे ।</li><li>➤ नैतिक चिन्तन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी और चारित्र्य-विकास होगा ।</li><li>➤ संस्कृत पद्य एवं गद्य लेखन एवं शोध के क्षेत्र में प्रारम्भिक समझ विकसित करना।</li></ul>





GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

**FYUGP (CBCS/LOCF Course)**

Department: -SANSKRIT

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: 2	Subject: SANSKRIT
Course Type: GE	Course Code: .....
Course Title: भारतीय संस्कृति - 2	
Credit: 4	Lecture: 60
M.M. 100 = (ESE 80+IA 20)	Minimum Passing Marks: 40%

Title	भारतीय संस्कृति - 2
Course Learning Outcome:	<ul style="list-style-type: none"><li>➤ भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों की वैज्ञानिकता का अध्ययन कर भारतीय संस्कृति के प्रति विद्यार्थियों में आस्था का निर्माण होगा।</li><li>➤ भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों की वर्तमान प्रासंगिकता का ज्ञान प्राप्त कर विद्यार्थी सांस्कृतिक तत्वों के निरकालीन महत्त्व को जान सकेंगे।</li><li>➤ सांस्कृतिक विशेषताओं का आत्मसातिकरण विद्यार्थियों के शुद्ध चरित्र एवं उत्तम व्यक्तित्व का निर्माण करेगा।</li><li>➤ रामायण, महाभारत एवं पुराणकालीन संस्कृतियों का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त होगा।</li></ul>



GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)  
**FYUGP (CBCS/LOCF Course)**  
Department: -SANSKRIT

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: 2	Subject: SANSKRIT
Course Type: SEC	Course Code: .....
Course Title: संभाषणकौशलम् - 2	
Credit: 2	Lecture: 30
M.M. 50 = (ESE 40+IA 10)	Minimum Passing Marks: 40%

Title	संभाषणकौशलम् - 2
Course Learning Outcome:	<ul style="list-style-type: none"><li>➤ संस्कृतसंभाषण में दक्ष एवं निपुण होंगे, जिससे विद्यार्थियों की भाषा के अध्ययन और ज्ञान में अनायास वृद्धि होगी।</li><li>➤ संस्कृतसंभाषण से भाषा और संस्कृति के प्रति स्वाभिमान उत्पन्न होगा।</li><li>➤ भाषा कौशल का विकास विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा।</li><li>➤ प्रतियोगी परीक्षाओं तथा साक्षात्कार आदि में विद्यार्थियों के कौशल की वृद्धि होगी।</li></ul>

## Department: -SANSKRIT

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: III	Subject: SANSKRIT

### Programme Specific Outcome:

1. संस्कृत की लौकिकसाहित्य धारा के क्रमबद्ध विकास से विद्यार्थी अवगत होंगे।
2. संस्कृत नाट्य एवं कथा साहित्य में निहित सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों का ज्ञान देकर विद्यार्थियों का चारित्रिक विकास होगा।
3. संस्कृत नाट्य एवं कथा साहित्य लेखन के गुणों का प्रारम्भिक बीजारोपण होगा।
4. संस्कृत नाट्य एवं कथा साहित्य के प्रति विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।
5. विद्यार्थियों को नाट्य एवं कथा साहित्य के क्षेत्र में शोध हेतु प्रारम्भिक समझ विकसित होगी
6. भारतीय औपनिषदिक ज्ञान परंपरा का ज्ञान प्राप्त होगा।
7. गीता के अध्ययन से आत्मज्ञान एवं आत्मप्रबंधन की कला से युक्त होंगे।
8. जीवनमूल्य, तार्किकता, लोककल्याण की भावना के विकास के साथ साथ भारतीय आध्यात्म परंपरा का ज्ञान प्राप्त होगा।
9. चारित्रिक निर्माण एवं व्यक्तित्व का विकास होगा।
10. नाट्य विधा में दक्ष एवं निपुणता प्राप्त होगी।
11. नाट्य कौशल का विकास विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा।
12. अभिनय कला एवं रंगमञ्च के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाश सकेंगे।



GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

FYUGP (CBCS/LOCF Course)

Department: -SANSKRIT

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: III	Subject: SANSKRIT
Course Type: DSC	Course Code: .....
Course Title: नाटक एवं कथा साहित्य	
Credit: 4	Lecture: 60
M.M. 100 = (ESE 80+IA 20)	Minimum Passing Marks: 40%

Title	नाटक एवं कथा साहित्य
Course Learning Outcome:	<ul style="list-style-type: none"><li>➤ संस्कृत साहित्य की नाटक एवंकथा नामक विधाओं का सम्यक् ज्ञान होगा ।</li><li>➤ संस्कृत दृश्य काव्य एवं कथा साहित्य के प्रति विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।</li><li>➤ पाठ्यविषय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से विद्यार्थी सुपरिचित हो सकेंगे ।</li><li>➤ नैतिक चिन्तन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी और चारित्र्य-विकास होगा ।</li><li>➤ संस्कृत नाट्य एवं कथालेखन एवं शोध के क्षेत्र में प्रारम्भिक समझ विकसित करना।</li></ul>



GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON  
(C.G.)

### FYUGP (CBCS/LOCF Course)

Department: -SANSKRIT

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: III	Subject: Sanskrit
Course Type: DSE	Course Code: .....
Course Title: गीता एवं उपनिषद्	
Credit: 4	Lecture: 60
M.M. 100 = (ESE 80+IA 20)	Minimum Passing Marks: 40%

Title	गीता एवं उपनिषद्
Course Learning Outcome:	<ul style="list-style-type: none"><li>➤ विद्यार्थी प्राचीन भारतीय औपनिषदिक ज्ञान परंपरा से परिचित होंगे।</li><li>➤ गीता के अध्ययन से आत्मज्ञान एवं आत्मप्रबंधन की कला से युक्त होंगे।</li><li>➤ आत्मज्ञान के साथ साथ जीवनमूल्य, तार्किकता एवं लोककल्याण की भावना का विकास होगा।</li><li>➤ व्यक्तित्व का विकास होगा।</li></ul>



GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)  
**FYUGP (CBCS/LOCF Course)**  
Department: -SANSKRIT

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: III	Subject: SANSKRIT
Course Type: SEC	Course Code: .....
Course Title: भारतीय रंगमञ्च -1	भारतीय रंगमञ्च -1
Credit: 2	Lecture: 30
M.M. 50 = (ESE 40+IA10)	Minimum Passing Marks: 40%

Title	भारतीय रंगमञ्च -1
Course Learning Outcome:	<ul style="list-style-type: none"><li>➤ प्राचीन भारतीय रंगमञ्च का ज्ञान प्राप्त होगा।</li><li>➤ नाट्य विधा में दक्ष एवं निपुण होंगे।</li><li>➤ नाट्य कौशल का विकास विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा।</li><li>➤ अभिनय कला एवं रंगमञ्च के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाश सकेंगे।</li><li>➤ प्राचीन नाट्य साहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज, लोकव्यवहार, भाषा आदि का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।</li></ul>

**Department: -SANSKRIT**

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: IV	Subject: SANSKRIT

**Programme Specific Outcome:**

1. संस्कृत पद्य लेखन के गुणों का प्रारम्भिक बीजारोपण होगा।
2. संस्कृत काव्यशास्त्र के प्रति विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।
3. संस्कृत पद्य लेखन एवं काव्यशास्त्रीय शोध के क्षेत्र में विद्यार्थियों की प्रारम्भिक समझ विकसित होगी।
4. भारतीय दार्शनिक अवधारणाओं से परिचय प्राप्त होगा।
5. विभिन्न दर्शनों के प्रमुख तत्वों एवं सिद्धांतों से परिचित होंगे।
6. भारतीय दर्शन के क्षेत्र में शोध की संभावनाओं की समझ विकसित होगी।
7. नाट्य विधा में दक्ष एवं निपुणता प्राप्त होगी।
8. नाट्य कौशल का विकास विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा।
9. अभिनय कला एवं रंगमञ्च के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाश सकेंगे।



GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

**FYUGP (CBCS/LOCF Course)**

Department: -SANSKRIT

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: IV	Subject: SANSKRIT
Course Type: DSC	Course Code: .....
Course Title: काव्यशास्त्र	
Credit: 4	Lecture: 60
M.M. 100 = (ESE 80+IA 20)	Minimum Passing Marks: 40%

Title	काव्यशास्त्र
Course Learning Outcome:	<ul style="list-style-type: none"><li>➤ संस्कृत काव्यशास्त्रीय परंपरा का प्रारम्भिक ज्ञान प्राप्त होगा।</li><li>➤ संस्कृत काव्यशास्त्र के प्रति विद्यार्थियों की समझ विकसित होगी।</li><li>➤ छंदों के ज्ञान से संस्कृत पद्यों की गेयता की क्षमता का विकास होगा तथा मौखिक काव्य निर्माण की योग्यता विकसित होगी।</li><li>➤ अलंकारों के ज्ञान से काव्य के सौंदर्य को समझने तथा काव्य निर्माण में अलंकारों के महत्व को समझने में विद्यार्थी को सहायता मिलेगी।</li><li>➤ संस्कृत पद्य लेखन एवं काव्यशास्त्रीय शोध के क्षेत्र में प्रारम्भिक समझ विकसित होगी।</li></ul>





GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON  
(C.G.)

**FYUGP (CBCS/LOCF Course)**

Department: -SANSKRIT

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: IV	Subject: Sanskrit
Course Type: DSE	Course Code: .....
Course Title: भारतीय दर्शन	
Credit: 4	Lecture: 60
M.M. 100 = (ESE 80+IA 20)	Minimum Passing Marks: 40%

Title	भारतीय दर्शन
Course Learning Outcome:	<ul style="list-style-type: none"><li>➤ भारतीय विभिन्न दार्शनिक प्रणालियों की उत्पत्ति और विकास की अवधारणाओं से परिचित होंगे।</li><li>➤ विभिन्न दर्शनों के प्रमुख तत्वों एवं सिद्धांतों से परिचित होंगे।</li><li>➤ दार्शनिक विचारों एवं सिद्धांतों के मध्य तुलना एवं अंतर करने में सक्षम होंगे।</li><li>➤ व्यक्तिगत आचार्यों के योगदान और ज्ञान परंपरा के विकास को समझेंगे।</li></ul>



GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

**FYUGP (CBCS/LOCF Course)**

Department: -SANSKRIT

Session: 2023-24	Program: B.A.
Semester: IV	Subject: SANSKRIT
Course Type: SEC	Course Code: .....
Course Title: भारतीय रंगमञ्च - 2	
Credit: 2	Lecture: 30
M.M. 50 = (ESE 40+IA10)	Minimum Passing Marks: 40%

Title	भारतीय रंगमञ्च - 2
Course Learning Outcome:	<ul style="list-style-type: none"><li>➤ प्राचीन भारतीय रंगमञ्च का ज्ञान प्राप्त होगा।</li><li>➤ नाट्य विधा में दक्ष एवं निपुण होंगे।</li><li>➤ नाट्य कौशल का विकास विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा।</li><li>➤ अभिनय कला एवं रंगमञ्च के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाश सकेंगे।</li><li>➤ प्राचीन नाट्य साहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज, लोकव्यवहार, भाषा आदि का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।</li></ul>

## बी.ए.भाग 3

1. काव्य निर्माण के महत्वपूर्ण तथ्यों जैसे छंद, अलंकार आदि का बुनियादी अध्ययन।
2. संस्कृत निबंध कौशल में वृद्धि।